संपादक : डॉ. अमित जैन

अंक : 2

जैन प्रकाश

मूल्य : ₹ 10
भाषा : हिन्दी
वर्ष : 70
पृष्ठ : 8
माह : मार्च

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस का साप्ताहिक मुखपत्र

PRGI : DLHIN/25/A4261
Postal Regn. No. DL(ND) 11/6078/2026-27-2028
U (C)

Date of Publication : 07-03-2026
Date of Posting : 14/15-03-2026
E-mail : aissjc1906@gmail.com

Address Here

राष्ट्रीय अध्यक्ष : अतुल जैन, दिल्ली | राष्ट्रीय महामंत्री : डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत | राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष : विनय कुमार जैन, पानीपत

सम्पादकीय

श्रद्धा, सेवा और संगठन- समाज की निर्माण की त्रिवेणी

- डॉ. अमितराय जैन, राष्ट्रीय महामंत्री - जैन कॉन्फ्रेंस
E-mail : amitraijain78@gmail.com

किसी भी समाज और उसके संगठनों की प्रगति केवल औपचारिक गतिविधियों से नहीं, बल्कि सतत् संवाद, सामूहिक चिंतन और समर्पित प्रयासों से सुनिश्चित होती है। इसी भावना के साथ श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय प्रबन्ध समिति, राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति एवं साधारण सभा (कार्यकाल 2025-27) की महत्वपूर्ण सभाऐं शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 को जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्केट, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अतुल जैन की अध्यक्षता में अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई।

इन सभाओं में जैन कॉन्फ्रेंस की गतिविधियों, आगामी योजनाओं तथा समाज के विविध आयामों पर व्यापक चर्चा हुई। यह अवसर केवल प्रशासनिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संगठन की एकता, सक्रियता और दूरदर्शी सोच का सशक्त उदाहरण भी बना। देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस बैठक को और अधिक सार्थक तथा प्रेरणादायी बना दिया।

विशेष रूप से होली चौमासी के पावन अवसर पर वर्ष 2026 के आगामी चातुर्मास की घोषणा पूज्य आचार्य सम्राट डॉ. श्री शिवमुनि जी म.सा. के मुखारविन्द से की गई। जैन परंपरा में चातुर्मास केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, साधना और समाज में नैतिक चेतना के प्रसार का महत्वपूर्ण काल होता है। संत-साध्वीवृंद का चातुर्मास के माध्यम से समाज के मध्य रहकर धर्मोपदेश देना, संयम और सदाचार के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना, वास्तव में समाज के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बनता है। हम श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली के सभी पदाधिकारियों की ओर से समस्त पूज्य संत-साध्वियों को आगामी चातुर्मास 2026 के लिए हार्दिक शुभ मंगलकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

इसी क्रम में 8 मार्च 2026 को देशभर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। जैन कॉन्फ्रेंस की प्रांतीय महिला शाखाओं ने विभिन्न नगरों और क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर जैन समाज की प्रतिभाशाली, सक्रिय और प्रेरणादायी बहनों का सम्मान किया। यह केवल अभिनंदन का अवसर नहीं था, बल्कि समाज में नारी शक्ति के योगदान को स्वीकार करने और उसे आगे बढ़ाने का संकल्प भी था।

जैन परंपरा में नारी को सदैव संस्कार, करुणा और धैर्य की प्रतीक माना गया है। परिवार से लेकर समाज तक, नैतिक मूल्यों की स्थापना और संरक्षण में मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। वर्तमान समय में आवश्यकता है कि हम महिलाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करें, ताकि वे समाज के विकास में और अधिक प्रभावी योगदान दे सकें।

इन प्रेरणादायी प्रसंगों के बीच चैत्र कृष्ण नवमी, 12 मार्च को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का पावन जन्म कल्याणक भी देश-विदेश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। भगवान ऋषभदेव का जीवन मानव सभ्यता के लिए मार्गदर्शक रहा है। उन्होंने समाज को श्रम, अनुशासन, नैतिकता और जीवन की सुव्यवस्थित व्यवस्था का संदेश दिया। जैन परंपरा में उन्हें आदिनाथ के रूप में भी स्मरण किया जाता है, जिन्होंने मानव जीवन को संस्कृति, आचार और आध्यात्मिकता की दिशा प्रदान की।

आज के परिवर्तित सामाजिक परिवेश में उनके आदर्श और भी अधिक प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। यदि हम उनके बताए मार्ग- अहिंसा, संयम, श्रम और आत्मानुशासन को अपने जीवन में आत्मसात करें, तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन स्थापित होगा, बल्कि समाज में भी सद्भाव और नैतिकता का वातावरण सुदृढ़ होगा। (शेष पृष्ठ 4 में)

अध्यक्षीय

आस्था की प्रेरणा, नारी शक्ति का सम्मान और नववर्ष का नवसंकल्प

- अतुल जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष - जैन कॉन्फ्रेंस
E-mail : ajvk1973@gmail.com

प्रिय समाजबंधुओं,

मानव जीवन की सार्थकता तभी संभव है जब उसमें आस्था, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलित समन्वय हो। वर्तमान का समय अनेक ऐसे प्रेरणादायी अवसरों से परिपूर्ण है, जो हमें आत्ममंथन, नवचेतना और समाजोत्थान के मार्ग पर अग्रसर होने का संदेश दे रहे हैं।

हाल ही में सम्पन्न हुआ होली चौमासी का पावन अवसर हमें संयम, साधना और आत्मपरिष्कार की प्रेरणा देता है। यह पर्व केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और अंतर्मुखता की ओर उन्मुख होने का अवसर भी है। इसी अवधि में अनेक पूज्य गुरु भगवंतों के जन्म, दीक्षा और स्मृति दिवस श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ मनाए गए। पूज्य गुरुदेवों का तप, त्याग और अनुशासन से आलोकित जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका व्यक्तित्व यह स्मरण कराता है कि संयम, सेवा और सदाचार ही जीवन को श्रेष्ठता की दिशा प्रदान करते हैं।

इसी क्रम में 8 मार्च को मनाया जाने वाला अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस समाज में मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण संदेश देता है। जैन परंपरा में नारी को संस्कारों की संवाहक और परिवार की आधारशिला के रूप में आदर प्राप्त है। मातृशक्ति ने सदैव सेवा, करुणा और मर्यादा के माध्यम से समाज को सुदृढ़ बनाया है। आज आवश्यकता है कि हम उनके योगदान को और अधिक सम्मान दें तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करें।

आध्यात्मिक दृष्टि से भी यह समय अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। चैत्र कृष्ण अष्टमी से प्रारंभ होने वाला वर्षीतप जैन साधना की महान परंपरा का प्रतीक है, जो तप, धैर्य और आत्मसंयम का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही चैत्र कृष्ण नवमी को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का पावन जन्म कल्याणक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को श्रम, व्यवस्था और संस्कृति का मार्ग दिखाकर सभ्यता की आधारशिला स्थापित की। उनका जीवन आज भी हमें नैतिकता, परिश्रम और आत्मसंयम का अमूल्य संदेश देता है।

इन पावन अवसरों के साथ चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा तथा नव विक्रम संवत का शुभारंभ भी हो रहा है। नववर्ष का आगमन हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई आशा और नए संकल्प का संदेश लेकर आता है। यह अवसर हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में सकारात्मकता, सहयोग और सेवा की भावना को सुदृढ़ करते हुए समाज के सामूहिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

इन्हीं प्रेरक भावनाओं के साथ "जैन प्रकाश" का यह अंक समाज के समक्ष प्रस्तुत है। हमारा प्रयास है कि यह समाचार पत्र केवल सूचना का माध्यम न रहकर समाज के विचारों, मूल्यों और गतिविधियों का सशक्त मंच बने। इसके माध्यम से धर्म, दर्शन, संगठन, युवाशक्ति, महिला जागरण और समसामयिक विषयों पर रचनात्मक तथा सकारात्मक संवाद निरंतर समाज तक पहुँचता रहे, यही हमारी अपेक्षा है।

आइए, हम सभी गुरु प्रेरणा से प्रेरित होकर, मातृशक्ति के सम्मान को जीवन का मूल्य बनाकर और नववर्ष के मंगल संकल्पों के साथ एक सशक्त, संस्कारित और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ें। नवविक्रम संवत् के इस पावन अवसर पर आप सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का प्रकाश निरंतर बना रहे, यही हमारी शुभ मंगलकामनाएं।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली

सम्माननीय पदाधिकारीगण - कार्यकाल वर्ष : 2025-27

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अतुल जैन, दिल्ली - मो. : 98110 75336

राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष
प्रो. डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत : 98373 94448	श्री विनयकुमार जैन, पानीपत : 83968 00000	श्री रजनीश जैन 'राज', दिल्ली : 98116 14567

राष्ट्रीय चेयरमैन	राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन	राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री विजय जैन, पानीपत : 98966 00022	श्री नरेश बोहरा जैन, मुंबई : 76665 40600	श्री जसवंत जैन, दिल्ली : 98104 35108

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री आनंदमल छल्लाणी जैन, चेन्नई 98410 30035

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री जे. डी. जैन, गाज़ियाबाद 98100 06462
श्री नेमीचन्द चोपड़ा जैन, पाली 98290 25729
श्री अविनाश चोरड़िया जैन, नई दिल्ली 93138 13899
पद्मश्री श्री नेमनाथ जैन, इंदौर 98930 32777
श्री पारस मोदी जैन, मुंबई 98200 60530

राष्ट्रीय पर्यवेक्षण समिति
राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सुभाष ओसवाल जैन, दिल्ली 98100 45440
राष्ट्रीय पर्यवेक्षक : श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली 98111 97000

राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक
श्री महावीर रांका जैन, पोलुर 94442 04046
श्री विमलप्रकाश जैन, जालंधर सिटी 98151 84811
श्री संजय जैन, दिल्ली 98111 67770
श्री डिपिन नेमनाथ जैन, इन्दौर 78699 99222
श्री विजयकांत कोठारी जैन, पुणे 98230 82152

राष्ट्रीय समन्वय समिति
श्री प्रशांत जैन, 'गांधरा' दिल्ली (मुख्य समन्वयक) 98101 21450
श्री सुरेशकुमार लुणावत जैन, चेन्नई (ज़ोन - 1) 98842 21003
श्री राकेश जैन 'लक्की', लुधियाना (ज़ोन - 2) 98150 20661
श्री कंवरलाल सूरिया जैन, भीलवाड़ा (ज़ोन - 3) 94141 13056
श्री ईश्वर बाबूसेठ बोरा जैन, अहमदनगर (ज़ोन - 4) 98237 99998
श्री जयंतिलाल कूकड़ा जैन, सूरत (ज़ोन - 5) 98251 35744

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष
श्री महेन्द्र बोकरिया जैन, दिल्ली 98681 25710

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री सुरेशचंद छल्लाणी जैन, बैंगलोर 93412 32573
श्री पुखराज मेहता जैन, बैंगलोर 98446 77725
श्री एम. गौतमचंद गुगलिया जैन, हैदराबाद 92463 61008
श्री दिनेश कुमार भलगट जैन, चेन्नई 98402 64888
श्री राजन जैन, लुधियाना 98140 77445
श्री विमलचंद जैन, अम्बाला 94667 01008
श्री पुष्कर जैन, मेरठ 94122 06374
श्री महावीर प्रसाद जैन, दिल्ली 98113 58110
श्री विपिन आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली 99113 00888
श्री जयकुमार जैन, दिल्ली 98106 72111
श्री रामनिवास जैन, दिल्ली 98112 95715
श्री रमेश जैन 'शामड़ी', दिल्ली 93509 16150
श्री नेमीचंद धाकड़ जैन, उदयपुर 95117 05291
श्री महेश डाकोलिया जैन, इन्दौर 77738 66000
श्री ललित मोदी जैन, नाशिक 94222 46500
श्री सतीश बाबूसेठ लोढ़ा जैन, अहमदनगर 94222 22138
श्री सुनील मोहनलाल चोपड़ा जैन, नाशिक 94239 63100
श्री जीवनराज पुनमिया जैन, इचलकरंजी 94205 85878
श्री कीर्ति दुग्गड़ जैन, पुणे 98220 34344
श्री शंभुलाल ललवानी जैन, अहमदाबाद 99783 47800

राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार मंत्री
श्री एस. के. जैन 'सी.ए.', दिल्ली 98102 78217

जीवन प्रकाश योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री बाबूलाल रांका जैन, बैंगलोर 93434 83838
राष्ट्रीय मंत्री : श्री अशोककुमार धोका जैन, बैंगलोर 98440 58123

मानव सेवा योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री प्रकाश भटेवरा जैन, इन्दौर 98270 31032
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मनीष बाफना जैन, सूरत 93749 86671
राष्ट्रीय मंत्री : श्री जितेन्द्र चोपड़ा जैन, इन्दौर 93021 27805

जीव दया योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री मनोहरलाल लोढ़ा जैन, मावली सिंधु 94224 59362
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोशनलाल बड़ाला जैन 'सी.ए.', नवी मुंबई 98200 72121

ज्ञान प्रकाश योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री नरेश आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली 95400 02778
चेयरमैन : श्री सुरेश जैन, दिल्ली 98112 39872
वाईस चेयरमैन : श्री पदमचंद कांकरिया जैन, चेन्नई 98841 67400
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री सुरेशचंद जैन, दिल्ली 98117 48722
राष्ट्रीय मंत्री : श्री नरेन्द्र जैन, दिल्ली 98101 63165

वैय्यावच्च योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक रांका जैन, बैंगलोर 99455 41200
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रतनचंद सिंघवी जैन, बैंगलोर 93425 97955

अल्पसंख्यक योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिकुमार लोढ़ा जैन, औरंगाबाद 82862 00000
राष्ट्रीय मंत्री : श्री शैलेष शोभाचंद संचेती जैन, वैजापुर 94214 18121

जैन कॉन्फ्रेंस आत्म-ध्यान योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री शशिकांत 'पिन्टू' कर्नावट जैन, मालेगांव 98239 55515
राष्ट्रीय मंत्री : श्री रोहित छाजेड़ जैन, औरंगाबाद 94207 64456

हर प्रांत जैन भवन योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री अशोक कुमार एन. पगारिया जैन, पुणे 94220 36831
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री विनय कुमार नाहटा जैन, दिल्ली 98110 12512
राष्ट्रीय मंत्री : श्री प्रफुल्ल कोठारी जैन, पुणे 90110 17777

राष्ट्रीय जन कल्याण योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : सतिन्दर वीर जैन 98110 70722
राष्ट्रीय चेयरमैन : सुदर्शन जैन 93108 99904
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : संजय जैन 98187 25000
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : नंदीवर्धन जैन 98110 39625
राष्ट्रीय मंत्री : कनिका संदीप जैन 96549 73690

विहारधाम योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री कांतिलाल चोपड़ा जैन, नाशिक 94229 44800
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री तनसुख झामड़ जैन, औरंगाबाद 98226 59910
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मुकेश जैन 'सांड़', मोहाली 93185 93599

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय डिजिटाईजेशन योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री सुभाष जैन 'लिली', गिदड़वाहा 98146 99393
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री राजीव सुनील सांखला जैन, बैंगलोर 98445 46014
राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन : श्री संजय जैन 'चिली', दिल्ली 93501 32274
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री राकेश जैन, दिल्ली 98101 93101
राष्ट्रीय मंत्री : श्री मनधीर जैन, लुधियाना 98141 05020

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय मीडिया संचार योजना
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री संजय जैन, दिल्ली 93191 87434
राष्ट्रीय चेयरमैन : श्री अजय जैन ' प्रथम', दिल्ली 97117 74004
राष्ट्रीय मंत्री : लक्ष्मीलाल वीरवाल जैन 94604 45060

राष्ट्रीय युवा शाखा
अध्यक्ष : श्री विपुल जैन, दिल्ली 87662 14456
चेयरमैन : श्री अंकुर जैन, दिल्ली 98711 98111
कार्याध्यक्ष : श्री कमलेश नाहर जैन, अहमदाबाद 93767 37111
वरिष्ठ उपाध्यक्ष : श्री मंजीत शांतिलाल कोठारी जैन, सूरत 93745 44138
महामंत्री : श्री अमित कांतिकुमार लोढ़ा जैन, औरंगाबाद 91522 11555
कोषाध्यक्ष : श्री मुनीष पकंज जैन, दिल्ली 99998 38345

राष्ट्रीय महिला शाखा
अध्यक्षा : श्रीमती संतोष सुरेश जैन, दिल्ली 98687 04326
चेयरमैन : श्रीमती अनामिका कुलदीप तलेसरा, सूरत 94278 08401
वाईस चेयरमैन : श्रीमती मीनाक्षी विनय जैन, दिल्ली 98187 44166
वरिष्ठ उपाध्यक्षा : श्रीमती कुसुम महावीरप्रसाद जैन, सोनीपत 92515 74016
महामंत्री : श्रीमती रीचा संदीप जैन, लुधियाना 79737 96548
कोषाध्यक्षा : श्रीमती उर्मिल नरेश जैन, दिल्ली 92504 18306

प्रांतीय अध्यक्ष
श्री प्रकाश बुरड़ जैन (कर्नाटक - ज़ोन 1) 98456 71449
श्री विनोद कुमार कीमती जैन (तेलंगाना - ज़ोन 1) 98490 11350
श्री वी. धर्मीचन्द जैन (तमिलनाडु - ज़ोन 1) 94444 31536
श्री अनिल जैन (पंजाब - ज़ोन 2) 98141 40491
डॉ. श्री रामनिवास जैन (हरियाणा - ज़ोन 2) 92541 19621
श्री कीमतीलाल जैन (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड - ज़ोन 2) 97203 57112
श्री जितेन्द्र जैन (दिल्ली - ज़ोन 2) 98100 62967
श्री आनंद चपलोत जैन (राजस्थान - ज़ोन 3) 94609 66507
श्री हुलास बेताला जैन (मध्य प्रदेश - ज़ोन 3) 96696 97797
डॉ. आनंद मेहता जैन (पश्चिम बंगाल - ज़ोन 3) 98302 49151
श्री मोहनलाल लोढ़ा जैन (महाराष्ट्र-ज़ोन 4) 94222 50478
श्री नितिन बेदमुथा जैन (मुंबई-पुणे - ज़ोन 5) 93710 75787
श्री सम्पत खाबिया जैन (गुजरात - ज़ोन 5) 98250 47321

राष्ट्रीय मंत्री
श्री कन्हैयालाल सुराणा जैन, बैंगलोर 93412 21774
श्री सम्पतराज कोठारी जैन, सिकन्दराबाद 92461 58452
श्री सुरेश गादिया जैन, चेन्नई 98402 00916
श्री राजेन्द्र बोहरा जैन, चेन्नई 98406 00003
श्री अरूण कुमार जैन, लुधियाना 98155 66885
श्री रवीन्द्र जैन, पानीपत 98960 92861
श्री नितिन जैन, बड़ौत 99993 99382
श्री नरेश जैन 'रिंढ़ाना', दिल्ली 98100 66701

श्री दिलीप रूणवाल जैन, दिल्ली 98112 05545
श्री दिनेश एम. सुराणा जैन, दिल्ली 93100 54428
श्री नरेश लोढ़ा जैन, उदयपुर 93222 56788
डॉ. सुधीर जैन, कोटा 94141 79700
श्री जिनेश्वर जैन, इन्दौर 99818 50900
श्री राजेन्द्र लोढ़ा जैन, इन्दौर 94250 62147
श्री मीठालाल कांकरिया जैन, औरंगाबाद 98226 71574
श्री वसंत लोढ़ा जैन, अहमदनगर 94212 05000
श्री पारस दुग्गड़ जैन, धुलिया 94231 93447
श्री कैलाश प्रकाश बाफना जैन, औरंगाबाद 93726 66999
श्री सुरेश सिंघवी जैन, मुंबई 98212 87789
श्री विलास राठौड़ जैन, पुणे 98901 74007
श्री आकाश मादरेचा जैन, सूरत 94287 45537

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार मंत्री
श्री दीपक जैन, दिल्ली 93508 70065
श्री संजय जैन 'निशा', लुधियाना 94172 53101
श्री नेमीचंद सोलंकी जैन, पुणे 93710 89896
श्री संदीप जैन 'सन्नी', जम्मू 94191 90527
श्री महेन्द्र जैन, सवाई माधोपुर 94626 72015

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
श्री जयप्रकाश ललवानी जैन, चेन्नई 99412 45660
श्री संजीव जैन 'आनंदम्', दिल्ली 93122 40901
श्री नितिन चोपड़ा जैन, पुणे 98224 07446
श्री प्रकाश कोठारी जैन, खार, मुंबई 98200 83919
श्री त्रिलोक जैन, दिल्ली 98681 06607

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय अनुशासन समिति
राष्ट्रीय संयोजक : श्री एस. के. जैन 'सी. ए.', दिल्ली 98102 78217
सदस्य : श्री जसवंत जैन, दिल्ली 98104 35108
सदस्य : श्री नरेश आनंदप्रकाश जैन, दिल्ली 95400 02778
सदस्य : श्री विनयकुमार जैन, पानीपत 83968 00000
सदस्य : श्री शशिकुमार 'पिन्टू' कर्नावट जैन, मालेगांव 98239 55515
सदस्य : श्री रजनीश जैन 'राज', दिल्ली 98116 14567
सदस्य : श्री विपुल जैन, दिल्ली 87662 14456

जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार समिति
एडवोकेट श्री नरेश कुमार जैन, रानियां 90504 00009
एडवोकेट श्री सुनील जैन, चण्डीगढ़ 98141 90422
एडवोकेट श्री नवीन जैन, पानीपत 90347 19097

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार समिति
सदस्य : श्री संजय ताराचंद कोटेचा जैन, जलगांव 99237 11711
सदस्य : श्री संजय बोहरा जैन, मुंबई 98339 57170
सदस्य : श्री अतुल चोरड़िया जैन, वाघोली, पुणे 80876 35657
सदस्य : श्री रवि जैन, दिल्ली 99996 10010
सदस्य : श्री रमेश कुमार जैन, 'शास्त्री' जीन्द 92554 30824

प्रांतीय महामंत्री
श्री नेमीचंद दलाल जैन (कर्नाटक) 99649 72251
श्री किशोर कुमार मुथा जैन (तेलंगाना) 92473 99003
श्री एम. राजेशकुमार रांका जैन (तमिलनाडु) 99949 16455
श्री पंकज जैन (पंजाब) 98150 00791
श्री संजय जैन (हरियाणा) 98130 50937
श्री अनुराग जैन (उत्तर प्रदेश) 98371 09567
श्री ललित ओसवाल जैन (दिल्ली) 98111 38968
श्री लोकेश धाकड़ जैन (राजस्थान) 98280 50143
श्री पीयूष जैन (मध्य प्रदेश) 94254 00121
श्री राजेश कुमार भुरट जैन (पश्चिम बंगाल) 93310 09391
श्री शांतिलाल इंदरचंद दुग्गड़ जैन (महाराष्ट्र) 98220 79225
श्री गणेश ओसवाल जैन (मुंबई-पुणे) 99218 79613
श्री विनोद कुमार धोका जैन (गुजरात) 94279 30764

जैन कॉन्फ्रेंस विश्वस्त मण्डल
श्री रमेश भण्डारी जैन, इन्दौर - चेयरमैन 93021 03817
श्री बाबूलाल रांका जैन, बैंगलोर 93434 83838
श्री रमनलाल लुंकड़ जैन, पूना 98505 00015
श्री सुभाष ओसवाल जैन, नई दिल्ली 98110 45440
श्री अतुल जैन, नई दिल्ली 98110 75336
श्री आनंदमल छल्लाणी जैन, चेन्नई 98410 30035
डॉ. अमितराय जैन, बड़ौत 98373 94448
श्री प्रकाश धारीवाल जैन, पुणे 98222 42795
श्री अशोक मेहता जैन, सूरत 98251 19082
श्री उगमचंद गांधी जैन, इचलकरंजी 93260 22525
श्री विनय कुमार जैन, पानीपत 83968 00000
श्री पदमचंद कांकरिया जैन, चेन्नई 98841 67400
श्री राजीव जैन 'सी.ए.', दिल्ली 98110 42280
श्री कांतिकुमार लोढ़ा जैन, औरंगाबाद 82862 00000
श्री संजीव जैन, लुधियाना 98140 25325
श्री सुनील बाफना जैन, घोड़नदी 98505 67010

प्रेस्टीज

प्रतिबद्ध है भारत को समृद्ध एवं प्रबुद्ध बनाने के लिये अपने
सर्वश्रेष्ठ सोया प्रोटीन सोया तेल, वनस्पति, सोया बड़ी गेहूँ का आटा
मैदा, रवा, सूजी और उत्कृष्ट शिक्षा K.G. से Ph.D. के द्वारा
भारत को जरूरत है स्वर्ण पदकों की ओलम्पिक
और नोबल पुरस्कार विजेताओं की
स्वस्थ व प्रबुद्ध भारत के लिये
प्रेस्टीज सोया खाद्य और समग्र शिक्षा
बेहतर भोजन - बेहतर शिक्षा - बेहतर राष्ट्र

प्रेस्टीज फूड्स लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (अंडर ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज फीड मिल्स लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर (पोस्ट ग्रेजुएट्स)
प्रेस्टीज सोया इंडस्ट्रीज	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ग्वालियर
प्रेस्टीज फ्रोटेक लिमिटेड	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, देवास
प्रेस्टीज फीड मिल्स	प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड साइंस, इंदौर
प्रेस्टीज फैब्रिकेटर्स प्रा. लिमिटेड	प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल, इंदौर

प्रेस्टीज ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज एंड इंस्टीट्यूट्स
स्टार एक्सपोर्ट हाउस (भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) आई.एस.ओ. : 9000 2001 प्रमाणिक ग्रुप
30, Jaora Compound, M.Y.H. Road, Indore - 452001, M.P.
Phone.: 0731-4011111, 4041111 Fax: 4011107, 2704455 E-mail: info@prestigeindia.com Website: prestigeindia.com

वरिष्ठ मार्गदर्शक

श्री प्रेमचंद जैन, गुरुग्राम (हरियाणा)	92113 08367
श्री जसवंत दलाल जैन, बैंगलोर (कर्नाटक)	98863 88021
श्री शांतिलाल पोखरणा, बैंगलोर (कर्नाटक)	98451 55799
श्री महावीरचंद भण्डारी जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	98401 96758
श्री विमल धारीवाल जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	94433 32330
श्री पदमचंद बागमार जैन, चेन्नई (तमिलनाडु)	94440 77990
श्री अरिदमन जैन, लुधियाना (पंजाब)	95012 33866
श्री जतिन्द्र जैन, लुधियाना (पंजाब)	98559 39174
श्री विश्वा जैन, लुधियाना (पंजाब)	98140 88391
श्री राजेश जैन, लुधियाना (पंजाब)	98761 71831
श्री अजय जैन, पानीपत (हरियाणा)	94161 22219
श्री जगदीशचन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा)	98962 00081
श्री जगदीश जैन, रोहतक (हरियाणा)	93556 71998
श्री राजिन्द्र जैन, पानीपत (हरियाणा)	99963 33388
श्री राजीव जैन, पानीपत (हरियाणा)	98122 00002
श्री राहुल जैन, करनाल (हरियाणा)	99927 33822
श्री संदीप जैन, सिरसा (हरियाणा)	92157 37705
श्री मनमोहन जैन, मुज़फ्फरनगर (उत्तद प्रदेश)	98370 67082
श्री सुशील जैन, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	98100 78214
श्री पारस जैन, मेरठ (उत्तर प्रदेश)	99270 62009
श्री जयप्रकाश जैन, बड़ौत (उत्तर प्रदेश)	99974 55741
श्री अनिल जैन 'बखेता', रोहिणी, दिल्ली	93124 33320
श्री राजकुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली	98112 52316
श्री विजय जैन, रोहिणी, दिल्ली	99994 73873
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, रोहिणी, दिल्ली	98371 74345
श्री देवेन्द्र जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	99716 65599
श्री सत्यनारायण जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	92158 99904
श्री प्रदीप जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	99999 97513
श्री रोशनलाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	98100 50467
श्री सतपाल जैन, पीतमपुरा, दिल्ली	98102 64999
श्री अशोक जैन 'जयचंदा' ऋषभ विहार, दिल्ली	93109 89999
श्री भूपेन्द्र जैन, अशोक विहार, दिल्ली	98110 16545
श्री लवकुमार जैन, वीरनगर, दिल्ली	88266 78626
श्री नरेश जैन, पंजाबी बाग, दिल्ली	98111 30285
श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, शक्तिनगर, दिल्ली	98100 21710
श्री राजकुमार जैन, शास्त्रीनगर, दिल्ली	98114 04140
श्री मदनलाल जैन 'शामडी', प्रशांत विहार, दिल्ली	98737 76896
श्री पंकज जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	88600 98595
श्री संजय जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	98187 25000
श्री चक्रेश जैन, अरिहंत नगर, दिल्ली	98112 33462
श्री बजरंगलाल जैन, दिल्ली	93122 62192
श्री अशोक पालरेचा जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94601 71190
श्री ज्ञानचंद विनायकिया जैन, ब्यावर (राजस्थान)	98140 10385
श्री महावीर कुमार बाफना जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94147 38976
श्री गौतम संचेती जैन, ब्यावर (राजस्थान)	94142 58370
श्री मांगीलाल लोढ़ा जैन, उदयपुर (राजस्थान)	88753 26779
श्री शंकरलाल डांगी जैन, उदयपुर (राजस्थान)	94628 83336
श्री दिनेशचन्द्र चोरड़िया जैन, उदयपुर (राजस्थान)	94141 66639
श्री सिद्धराज सिंघवी जैन, निम्बाहेड़ा (राजस्थान)	98298 86701
श्री भूपेन्द्र सिंह पगारिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94146 17494
श्री पकंज कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 11902
श्री मीठालाल सिंघवी जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 12134
श्री दीपक कुमार सूरिया जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	98293 47007
श्री राजेन्द्र गोखरू जैन, भीलवाड़ा (राजस्थान)	94141 84005
श्री मनमोहन गांधी जैन, पाली (राजस्थान)	94143 26293
श्री अम्बालाल लोढ़ा जैन, राजसमन्द (राजस्थान)	98290 40800
श्री अभय पोखरणा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98930 33345
श्री अचल चौधरी जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98260 20161
श्री अनिल बरड़िया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	93021 22995
श्री हेमंत बोहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	94074 13922
श्री राजकुमार जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	94253 19691
श्री सुरेश देशलहरा जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	98270 31960
श्री सुभाष विनायकिया जैन, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	96302 55540
श्री चन्द्रप्रकाश चोरड़िया जैन, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	73662 31275
श्री इन्द्रमल पटवा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98272 28737
श्री महेन्द्र बोथरा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98270 06500
श्री सुजानमल कोटेचा जैन, रतलाम (मध्य प्रदेश)	98272 08682
श्री रवि सुराणा जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश)	94251 01014
श्री यशवंत सिंह बाफना जैन, झाबुआ (मध्य प्रदेश)	94254 87623
श्री शांतिलाल चोरड़िया जैन, नाशिक (महाराष्ट्र)	98909 52621
श्री संतोष मंडलेचा जैन, नाशिक (महाराष्ट्र)	99234 78889
श्री शोभाचंद संचेती जैन, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	94051 07851
श्री हसमुख बंबकी जैन, रत्नागिरी (महाराष्ट्र)	94224 29611
श्री जीवनराज पुनमिलया जैन, इचलकरंजी (महाराष्ट्र)	92258 31765
श्री हीरालाल पगारिया जैन, अहमदनगर (महाराष्ट्र)	
श्री चतरलाल लोढ़ा जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	98201 11839
श्री महावीरचंद तातेड़, मुंबई (महाराष्ट्र)	98699 09374
श्री पन्नालाल कोठारी जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	
श्री पारस छाजेड़ जैन, मुंबई (महाराष्ट्र)	98212 20220
श्री कांतिलाल बोथरा जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	87882 35525
श्री पोपटलाल ओस्तवाल जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	98230 81825
श्री सुभाष सुराणा जैन, पुणे (महाराष्ट्र)	97662 90002
श्री ओमप्रकाश मांडोत जैन, अंकलेशवर (गुजरात)	99250 20407
श्री प्यारचंद कोठारी जैन, सूरत (गुजरात)	93745 35686
श्री चांदमल छाजेड़ जैन, मेहसाना (गुजरात)	98241 62334
श्री विनोद कुमार सूर्या जैन, खेड़ब्रह्मा (गुजरात)	93277 57610
श्री हीरालाल खाबिया जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	94270 31776
श्री चांदमल छाजेड़ जैन, मेहसाना (गुजरात)	98241 62334
श्री जयंतिलाल कोठारी जैन, अहमदाबाद (गुजरात)	

प्रभु महावीर के कल्याणकों से अध्यात्म की प्रेरणा लें

- युग प्रधान आचार्य सम्राट्
पूज्य डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा.

भगवान महावीर चौबीसवें तीर्थंकर हुए है। प्रभु महावीर का जन्म कल्याणक हमारे लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का कारण बनता है। हम प्रतिवर्ष इस कल्याणक को मनाते हुए अपने जीवन को त्याग वैराग्य व वीतरागता को ओर बढ़ाते हैं।

जन्म कल्याणक : ऐसे तो इस धरा पर अनंत जीव जन्म-मरण के चक्रव्यूह में पड़कर चार गति, चौरासी लाख जीवयोनि में भ्रमण कर रहे हैं। उनके जन्म को जन्म-कल्याणक नहीं कहा जाता। जन्म कल्याणक उन महापुरुषों का मनाया जाता है, जो उसी भव में निर्वाण को प्राप्त कर लेते हैं।

तीर्थंकर प्रभु महावीर ने अंतिम जन्म के इस जोवन में माँ के गर्भ से ही पुरुषार्थ प्रारंभ कर दिया था। अपने जीव को मुक्ति के लिए प्रभु महावीर का जीव देवलोक से च्यव कर माँ के गर्भ में आया उसी समय उन्होंने अपने ज्ञान से भेद-विज्ञान प्रारंभ कर दिया। गर्भ में आने से पहले उन्हें 'मैं कौन हूँ' इसका बोध था, क्योंकि उन्होंने पिछले भवों में ही आत्म ज्ञान व भेद-विज्ञान से अपने सम्यक्त्व को क्षाविक सम्यक्त्व बना लिया था। भगवती सूत्र में गणधर गौतम ने प्रभु महावीर से प्रश्न किया- 'प्रभुः ज्ञान इस भव है, पर भव है या तदुभय है?' प्रभु ने फरमाया ज्ञान इस भव भी है, पर भव भी है और तदुभय भी है।

प्रश्न - दर्शन इस भव है, पर भव है या तदुभय है? प्रभु ने फरमाया दर्शन इस भव भी है, पर भव भी है, तदुभय भी है।

प्रश्न - चारित्र इस भव है, पर भव है या तदुभय है?

प्रभु ने फरमाया - चारित्र इस भव है, पर भव हो भी सकता है, नहीं भी, इसी प्रकार चारित्र भी तदुभय हो सकता है, नहीं भी।

गर्भ कल्याणक : प्रभु महावीर आत्मा के ज्ञान व भेद विज्ञान से युक्त थे, क्योंकि च्यवन के समय जीव देह छोड़कर आता है, आत्मा अपने कार्मण शरीर के साथ आगे बढ़ जाती है। माँ के गर्भ में आत्मा से ज्ञान व भेद विज्ञान था अतः वे वहाँ भी कर्म क्षय कर रहे थे। जब माँ के गर्भ में उनके औदारिक शरीर का निर्माण हो रहा था, उस समय उन्होंने माँ को कष्ट न हो ऐसी भावना में स्वयं को निश्चल बना लिया तो माँ को अज्ञानवश ऐसा अनुभव होने लगा कि कहीं मेरे गर्भ को कुछ हानि तो नहीं हो गई। यह आर्त्त-रौद्र ध्यान में लीन हो गई। तब प्रभु महावीर जो गर्भ से आत्म ज्ञानी (तीन ज्ञान के धर्ता) थे, उन्होंने चिन्तन किया कि माँ मुझे पुगलों से ही जानती है अतः वह आर्त्त-रौद्र में चली गई है तो उन्होंने अपने औदारिक देह से ध्यान से मुक्त किया। ये उनके ज्ञानी होने का प्रतीक है।

मोह क्षय का संकल्पः माँ के गर्भ में ही उन्होंने संकल्प किया कि मैं घर में निवास करते हुए अलिप्त रहूँगा। यह संसार मोह में आसक्त है, इसके बीच मुझे अलिप्त रहना है। (क्रमशः)

महावीर स्वामी जन्म कल्याणक विशेषांक

31 मार्च 2026

- महावीर स्वामी से संबंधित तथ्यपरक बातें
- वर्तमान जिनशासक जीवन की घटनाये आज के संदर्भ में
- विद्वान/लेखक अपने अप्रकाशित संबंधित लेख 20 मार्च तक हमें भेजें
- शुभकामना विज्ञापन सादर आमंत्रित है।

आचार्य सम्राट् पू. श्री आनंदऋषि जी म.सा. स्मृति दिवस विशेषांक

28 मार्च 2026

आचार्यश्री जी से संबंधित रचनात्मक लेख, संस्मरण एवं समाचार विशेषांक से पूर्व 17 मार्च तक हमें अवश्य भेजें।

आचार्यश्री जी के पावन सान्निध्य में होगा अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव

सूरत (गुजरात) : श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर, तपसूर्य युग प्रधान आचार्य सम्राट् पूज्य डॉ. श्री शिवमुनि जी म.सा. के पावन सान्निध्य में दिनांक 20 अप्रैल 2026 को अवध संगरीला सूरत में अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। अतः सभी वर्षीतप आराधक तपस्वी भाई-बहनों से निवेदन है कि वे अपना नाम निम्न क्यू. आर. कोड़ स्कैन कर अवश्य रजिस्ट्रेशन करें। एवं निम्नलिखित पर सूचना प्रदान करें : सुभाष 93501 11542, अशोक 93740 12111 । इस आयोजन में श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली एवं जैन श्रमण संघीय श्रावक समिति तथा सूरत शहर के सभी श्रावक संघों का सहयोग रहेगा।

With Best Wishes :
R.Mahaveer Chand Ranka
Rajesh kumar-Aarti Jain Vinod kumar-Seema Jain
Dr Rohit, Mohit, Shruthi, Shubh kumar, Aditi Jain

R.Mahaveer Chand Ranka
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक - जैन कॉन्फ्रेंस
9444204046
E mail : rmrjainplr@gmail.com

JAIN JEWELLERY 916 HALL MARK SHOWROOM POLUR
JAIN SILKS & READYMADES Fashion for Family POLUR
varnalaya EXCLUSIVE DESIGNER WEDDING COLLECTION POLUR • TIRUVANAMALAI • VILLUPURAM
JAIN PETRO Reliance Petroleum Retail Outlet, Diversion Road, Polur 606-803
OXFORD MATRIC HR. SEC SCHOOL
OXFORD COLLEGE OF ENGINEERING POLUR

M. Rajeshkumar Ranka
प्रान्तीय महामंत्री - जैन कॉन्फ्रेंस, तमिलनाडु
9994916455
E mail : rajplr246jj@gmail.com

प्रमाद से प्रमोद

सजग जीवन की साधना

पुस्तक से साभार

लेखक-गुरुभक्त अतुल जैन

(गतांक से आगे)

अध्याय 9

प्रमाद का मनोवैज्ञानिक आधार (गहन विस्तार)

अब तक हमने प्रमाद को अनुभव, प्रतिक्रिया और स्वचालित जीवन के संदर्भ में देखा। परंतु एक प्रश्न अभी शेष है-मनुष्य बार-बार असजग क्यों हो जाता है? वह जानता है, समझता है, फिर भी सो क्यों जाता है? प्रमाद केवल आध्यात्मिक शब्द नहीं है। उसका गहरा मनोवैज्ञानिक आधार है। जब तक उस आधार को समझा न जाए, सजगता स्थायी नहीं हो सकती।

1. मन की मूल प्रवृत्ति - सुरक्षा

मनुष्य का मन सबसे पहले सुरक्षा चाहता है। शारीरिक सुरक्षा। भावनात्मक सुरक्षा। सामाजिक स्वीकृति। पहचान की रक्षा। जब भी मन को खतरा महसूस होता है, वह तुरंत सक्रिय हो जाता है। यह सक्रियता कभी सजगता नहीं होती-यह रक्षा-तंत्र होता है। यही रक्षा-तंत्र प्रमाद का प्रारंभ है।

2. पहचान की संरचना

बचपन से हम अपनी एक छवि बनाते हैं-"मैं सक्षम हूँ।" "मैं योग्य हूँ।" "मैं सम्मानित हूँ।" "मैं सही हूँ।" धीरे-धीरे यह छवि कठोर हो जाती है। और हम उसे "मैं" मान लेते हैं। जब कोई परिस्थिति इस छवि को चुनौती देती है, तो मन बेचैन हो जाता है। यह बेचैनी प्रतिक्रिया को जन्म देती है। और प्रतिक्रिया प्रमाद को।

3. अवचेतन का प्रभाव

हमारा बड़ा भाग अवचेतन है। दबी हुई भावनाएँ, अनसुलझे आघात, अनकहे भय, अस्वीकृत इच्छाएँ-सब भीतर छिपे रहते हैं। जब कोई परिस्थिति उन्हें छूती है, तो प्रतिक्रिया उठती है। व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वह इतनी तीव्रता से क्यों प्रतिक्रिया दे रहा है। वास्तव में अवचेतन बोल रहा होता है। अवचेतन का अनदेखा रहना प्रमाद की जड़ है।

4. नियंत्रण की आवश्यकता

अनिश्चितता मन को असहज करती है। भविष्य अनिश्चित है। परिणाम अनिश्चित हैं। लोग अनिश्चित हैं। इस अनिश्चितता से बचने के लिए मन नियंत्रण चाहता है। नियंत्रण का यह आग्रह नियंता भाव को जन्म देता है। और जब नियंत्रण संभव नहीं होता, तो तनाव, क्रोध और निराशा उत्पन्न होते हैं। यही मनोवैज्ञानिक प्रमाद है।

5. तुलना और प्रतिस्पर्धा

समाज तुलना पर आधारित है। "तुम उससे बेहतर हो?" "तुम पीछे क्यों हो?" "तुम्हारी उपलब्धि क्या है?" धीरे-धीरे तुलना पहचान बन जाती है। तुलना में जीना वर्तमान से दूर जाना है। जहाँ तुलना है, वहाँ असंतोष है। जहाँ असंतोष है, वहाँ प्रमाद है।

6. पिहीज-वत-सिपहीज प्रणाली

मानव शरीर में एक जैविक तंत्र है जो खतरे के समय सक्रिय होता है। जब मन खतरा महसूस करता है, तो शरीर तुरंत तैयार हो जाता है-दिल तेज। श्वास उथली। मांसपेशियाँ सख्त। यह तंत्र आवश्यक है। पर जब मानसिक असहमति को भी खतरे की तरह अनुभव किया जाए, तो शरीर निरंतर तनाव में रहता है। यह दीर्घकालीन असजगता प्रमाद को स्थायी बना देती है।

7. दोष और अपराधबोध

कई लोग प्रमाद को पहचानते हैं पर फिर स्वयं को दोष देने लगते हैं। "मैं हमेशा ऐसा क्यों करता हूँ?" "मुझसे गलती क्यों हो जाती है?" यह आत्म-दोष भी प्रमाद का रूप है। क्योंकि यहाँ भी देखने की बजाय निर्णय हो रहा है। सजगता में दोष नहीं होता। सिर्फ निरीक्षण होता है।

8. उपचार की दिशा

प्रमाद का मनोवैज्ञानिक उपचार दमन में नहीं है। वह है-स्वीकार में। निरीक्षण में। श्वास की जागरूकता में। नाभि की स्थिरता में। जब व्यक्ति अपने भय को बिना न्याय के देखता है, तो अवचेतन धीरे-धीरे हल्का होने लगता है।

9. करुणा की आवश्यकता

अपने मनोवैज्ञानिक ढाँचे को समझते समय करुणा आवश्यक है। हम ऐसे बने हैं जैसे हमें परिस्थितियों ने बनाया। प्रमाद कमजोरी नहीं है-अचेतन प्रक्रिया है। जब यह समझ आती है, तो व्यक्ति अपने प्रति नरम हो जाता है। और नरमी में ही परिवर्तन संभव है।

10. अंतिम स्पष्टता

प्रमाद का मनोवैज्ञानिक आधार है-सुरक्षा की चाह, पहचान की रक्षा, अवचेतन का दबाव, नियंत्रण की जिद, और तुलना की प्रवृत्ति। जब इन आधारों को समझा जाता है, तो सजगता गहरी होती है। और सजगता गहरी होती है तो प्रमाद की पकड़ ढीली पड़ती है। यहीं से अगला अध्याय प्रारंभ होगा-प्रमाद और अहंकार का गहरा संबंध।

❀❀❀

(क्रमशः अगले अंक में)

णमोकार महामंत्र : श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

- श्रमण पू. डॉ. पुष्पेंद्र मुनि जी म.सा.

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है-"णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं।" यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश : णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है-केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्राह्य है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन : इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया है-अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु। अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओं-राग, द्वेष, मोह और वासनाओं-पर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया। सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्षधाम में स्थित हैं। आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं। साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं। जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष-सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति : श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जाप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्र स्वरूप है और इसका जाप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना : णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 24 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है। आधुनिक ध्वनि-विज्ञान के अनुसार, मंत्रोच्चारण से उत्पन्न कंपन मानसिक और शारीरिक संतुलन में सहायक होते हैं। प्रत्येक अक्षर में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मजागरण की क्षमता निहित है।

आत्मजागरण का मार्ग : णमोकार महामंत्र बाह्य आडंबरों से हटाकर साधक को आत्मा के शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाता है। इसमें भौतिक उपलब्धियों की कामना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति का मार्ग निहित है। यह समता, विनय और करुणा का संदेश देता है। वास्तव में, णमोकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मूल मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आत्मजागरण का शाश्वत उद्घोष है। गुणों की आराधना ही आत्मा को परम शांति और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करती है-और यही इस महामंत्र का सार है।

वीतराग यात्रा

- मिथ्यात्व - भव -भ्रमण का मूल कारण मिथ्यात्व है। आप जीवात्मा है। अनादिकाल से यह जीव यात्रा कर रहा है। आप जीव अनादिकाल से यात्रा कर रहे हैं। अनन्त देह धारणक र लिए। अनादिकाल की इस यात्रा का कारण, भव-भ्रमण का कारण, चार गति का कारण मिथ्यात्व है।
- भेद - भेद कैसा? भेद से क्या? जड़ जीव का भेद। भीतर का मौन घटता है। मिथ्यात्व के कारण जीव यात्रा करता चला जाता है। जिसका मिथ्यात्व टूटता है, जिसे अस्तित्व पर श्रद्धा होती है, उसकी वीतराग यात्रा प्रारम्भ होती है। जो जड़ जीव का भेद करता है, ऐसा भेद जिसके रहते आसक्ति टूटने लगती है, ऐसा भेद जिसके चलते भीतर का मौन घटता है।
- जीव की अवस्था : कानों जब शब्द पुद्गल जाते हैं उस समय आप जीव की क्या अवस्था रहती है? नासिका में जब कोई गन्ध जाती है तब आप जीव किस अवस्था में रहते हो? कैसे स्पर्श स्वीकारे जाते हैं? जबसे आप साधना शिविर में आए आपने बार-बार श्रवण किया है कि मैं जीवात्मा हूँ।
- दिनचर्या की अवस्था : जीव की दशा, मन की दशा सम्यक्त्व की धारा को खण्डित कर रही है। चलते हो, उठते हो, बैठते हो, भोजन करते हो, आवश्यक क्रियाओं से गुजरते हो, ध्यान करते हो, स्वाध्याय करते हो, किस अवस्था में करते हो? मन क्या कार्य करता है? वहाँ आप कितना मन से जुड़ते हो? आँखो आस-पास या साथ रहने वाले साधको को देखती है? उनकी कृतियों को देखती है? इस बाह्य दर्शन पर अंकुश लगाए।

(पृष्ठ 1 का शेष 'सम्पादकीय')

इन सभी प्रेरक घटनाओं और उत्सवों के बीच "जैन प्रकाश" का यह अंक समाज के समक्ष एक विचार मंच के रूप में उपस्थित है। हमारा प्रयास है कि यह समाचार पत्र केवल समाचारों का संकलन न रहकर समाज की चेतना, चिंतन और संवाद का सशक्त माध्यम बने। इसके माध्यम से धर्म, संस्कृति, संगठन, युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण और समसामयिक विषयों पर सकारात्मक विचार निरंतर प्रस्तुत किए जाएँ, ताकि समाज को एक नई दिशा और प्रेरणा मिल सके।

अंततः यही अपेक्षा है कि हम सभी मिलकर संगठन की इस विचारधारा को आगे बढ़ाएँ। संत-साध्वीवृंद की प्रेरणा, मातृशक्ति के सहयोग और समाज की एकजुटता के साथ हम निश्चित ही एक सशक्त, संस्कारित और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर अग्रसर होंगे। सभी पूज्य गुरुवरों को विनम्र वंदन, मातृशक्ति को सम्मानपूर्ण नमन तथा समस्त समाज बंधुओं को मंगलकामनाएँ, इसी भावना के साथ हम सभी आगे बढ़ें, यही हमारी सामूहिक आकांक्षा है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष संदेश :

नारी शक्ति : संस्कार, संवेदना और सृजन की आधारशिला

– संतोष सुरेश जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा, जैन कॉन्फ्रेंस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव का दिन नहीं, बल्कि यह उस अद्भुत शक्ति, समर्पण और संवेदनशीलता को नमन करने का अवसर है, जो नारी के रूप में सृष्टि को जीवन, संस्कार और दिशा प्रदान करती है। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास की सशक्त प्रेरणा भी है। उसकी ममता में स्नेह है, उसके त्याग में करुणा है और उसके साहस में एक नए युग के निर्माण की असीम संभावनाएँ छिपी हैं।

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव आदर और सम्मान की दृष्टि से देखा गया है। हमारे धर्मग्रंथों में भी यह स्पष्ट कहा गया है- "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। यह कथन केवल शास्त्रीय आदर्श नहीं, बल्कि समाज के संतुलित और स्वस्थ विकास का मूल मंत्र है।

जैन धर्म की परंपरा में भी नारी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। भगवान महावीर स्वामी ने अपने उपदेशों के माध्यम से स्त्री और पुरुष दोनों को समान रूप से आध्यात्मिक उन्नति का अधिकार प्रदान किया। जैन साध्वी परंपरा त्याग, तप, संयम और साधना की प्रेरक मिसाल है। आज भी असंख्य साध्वीवृंद समाज को धर्म, संस्कार और सदाचार का संदेश देकर मानवता का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आज के आधुनिक युग में नारी शिक्षा, विज्ञान, साहित्य, राजनीति, समाज सेवा और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दे रही है। वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। फिर भी यह आवश्यक है कि समाज में नारी के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समान अवसरों का वातावरण निरंतर सुदृढ़ किया जाए।

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय महिला शाखा भी इसी उद्देश्य को लेकर निरंतर सक्रिय है। महिलाओं को आत्मनिर्भर, संस्कारित और सामाजिक रूप से जागरूक बनाने के लिए समय-समय पर विविध कार्यक्रमों, संवादों और सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। हमारा प्रयास है कि नारी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ समाज निर्माण में भी सक्रिय भागीदारी निभाए और अपने भीतर निहित शक्ति को पहचानते हुए आगे बढ़े।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम नारी के सम्मान, शिक्षा, स्वावलंबन और आत्मगौरव को बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करें। जब नारी सशक्त होगी, तभी परिवार सशक्त होगा और जब परिवार सशक्त होगा, तभी समाज और राष्ट्र भी सुदृढ़ बनेगा।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि नारी के सम्मान, सुरक्षा और उन्नति के लिए सदैव सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगे और उसे समाज की वास्तविक शक्ति के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना योगदान देंगे।

महिला दिवस पर तेलंगाना महिला शाखा द्वारा होली उत्सव व मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन

कांचीगुड़ा (तेलंगाना) : श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की तेलंगाना महिला शाखा के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कांचीगुड़ा स्थित अतिथि भवन में होली उत्सव एवं मनोरंजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम हर्षोल्लास, उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर तेलंगाना शाखा की महिला अध्यक्षा श्रीमती चंद्रकला जी कोठारी जैन, महिला महामंत्री श्रीमती ममता जी बोहरा जैन तथा कोषाध्यक्षा श्रीमती राजश्री जी बरमेचा जैन के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस की लगभग 80 महिला सदस्यओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, पूर्व मार्गदर्शक, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व महामंत्री सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों का भी विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही प्रांतीय महिला शाखा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजन, गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। होली के पावन पर्व को आपसी स्नेह और उल्लास के साथ मनाया गया। महिला दिवस के अवसर पर प्रतिभागी महिलाओं को पारितोषिक एवं पुरस्कार भी प्रदान किए गए। आयोजन के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के समापन पर महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती चंद्रकला जी कोठारी जैन एवं महिला महामंत्री श्रीमती जी ममता बोहरा जैन ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। यह कार्यक्रम महिला शक्ति, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करने का एक सुंदर प्रयास रहा।

प्रेषक : रीचा जैन

साहित्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये प्रा. सुरेखा कटारिया को राष्ट्रीय जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित

आकुर्डी (महाराष्ट्र) : प्रतिनिधि एजुकेशन फाउंडेशन संचालित सूर्य ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूट के 28वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बाणेर स्थित बंटारा भवन में आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में साहित्य के क्षेत्र में निरंतर योगदान देने वाली साहित्यिका प्राध्यापिका सुरेखा कटारिया को सूर्य दत्त राष्ट्रीय जीवन गौरव पुरस्कार प्रदान सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार वितरण समारोह में श्री सुभाषजी ललवानी, सूर्यकांत मुथियान, मोतीलाल चोरड़िया, विलास पगारिया, संदेश गादिया, शीतल गादिया आदि मान्यवर उपस्थित रहे।

महिला शाखा ने उपाध्यायश्री जी के दर्शन, वंदन का लिया लाभ

त्रिनगर, दिल्ली : त्रिनगर में विराजित वाचनाचार्य पू. डॉ. श्री विशालमुनि जी म.सा. के पावन सान्निध्य में होली चातुर्मास के पावन अवसर पर नवकार साधक पू. श्री विचक्षण मुनि जी म.सा., स्वर्ण दीक्षा जयंती एवं नव दीक्षिता साध्वी पू. श्री शरणया जी म.सा. की बड़ी दीक्षा पाठ के पावन अवसर पर सेवा शिरोमणि उप्रवर्तिनी महासाध्वी पू. श्री स्नेहलता 'मुन्नी' जी म.सा. आदि ठाणे का जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती संतोष सुरेश जी जैन एवं उनकी सहभागी टीम ने मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती संतोष सुरेश जी जैन, कोषाध्यक्षा श्रीमती उर्मिल जी जैन, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष श्री विपुल जी जैन, प्रांतीय युवा अध्यक्ष श्री विनीत जी जैन के साथ सम्मिलित हुई। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला शाखा, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं प्रांतीय युवा अध्यक्ष द्वारा नवकार साधक पू. श्री विचक्षण मुनि जी म.सा. की स्वर्ण दीक्षा जयंती के अवसर पर आदर की चादर भी भेंट की गई। प्रेषक : कनिका संदीप जैन

त्रिनगर, दिल्ली में जैन भागवती दीक्षा महोत्सव का भव्य आयोजन

दिल्ली : धर्म नगरी त्रिनगर की पुण्य धरा पर नेपाल हिन्द गौरव पू. डॉ. श्री विशालमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में एवं साध्वी पू. श्री स्नेहलता 'मुन्नी' जी म.सा. के पावन नेश्राय में 22 फरवरी 2026 को जे.पी. टैन्ट, वी.आई.पी. पार्क, केशवपुरम, दिल्ली में मुमुक्षु कुमारी गुजन जैन की भव्य जैन भगवती दीक्षा महोत्सव का आयोजन श्री एस.एस. जैन सभा, त्रिनगर के द्वारा किया गया। दीक्षा महोत्सव में श्री एस.एस. जैन सभा, त्रिनगर के प्रधान श्री प्रकाशजी जैन 'मुआना', महामंत्री श्री अशोक जी जैन धामड़, कोषाध्यक्ष श्री विजय जी जैन एवं दिल्ली के समस्त समाज के श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित हुए।

प्रेषक : अशोक जैन

करोल बाग, नई दिल्ली में होली मंगलपाठ पर उमड़ा जन सैलाब

उप-प्रवर्तक, संघ गौरव पू. श्री प्रेमसुख जी म.सा. के सुशिष्य, राष्ट्रसंत, प्रज्ञा महर्षि पू. श्री उपेन्द्र मुनि जी म.सा. द्वारा होली के अवसर पर तीन दिवसीय तेला के उपरांत आयोजित मंगलपाठ में दिल्ली के कोने-कोने से गुरुभक्तों का जन सैलाब उमड़ा, सभी ने दर्शनों का लाभ लिया। इस अवसर पर गुरुदेव ने अपना मंगल पाठ प्रदान किया।

बैंगलोर में दक्षिण ज्योति साध्वी पू. डॉ. आदर्शज्योति जी म.सा. का दीक्षा दिवस आयोजन

बैंगलोर (कर्नाटक) : श्री आदर्श जैन नवयुवक मंडल का 34वाँ स्थापना दिवस एवं पूज्या साध्वी डॉ. आदर्शज्योति जी का होली चातुर्मास व 49वाँ दीक्षा दिवस मंजूनाथनगर, बैंगलोर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉफ्रेंस चतुर्थ ज़ोन नंदुरबार-महाराष्ट्र के प्रांतीय मंत्री प्रवीण कुमार जैन, श्री भवरलालजी मुनोत जैन ने बैंगलोर विराजित दक्षिण ज्योति साध्वी पू. डॉ. आदर्शज्योतिजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन वंदन का लाभ लिया। वहीं स्थानीय श्रावक-श्राविकाओं की भी सराहनीय उपस्थिति रही।

जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रांतीय श्राविका रत्न सम्मान एवं होली मिलन समारोह आयोजित

उदयपुर (राजस्थान) : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा राजस्थान प्रांत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 27 फरवरी 2026 को देवेंद्र धाम में श्राविका रत्न सम्मान एवं होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनीजी डांगी जैन एवं मुख्य अतिथि श्रीमती पूर्णिमाजी बोकड़िया जैन उपस्थित रहीं। समारोह का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसे श्रीमती पुष्पा जी सुराणा जैन, श्रीमती पुष्पा जी मोदी जैन, श्रीमती मंजू जी मेहता जैन एवं किरणजी खोखावत जैन ने भावपूर्ण स्वर में प्रस्तुत किया। प्रांतीय अध्यक्षा डॉ. पुष्पा जी खोखावत जैन ने स्वागत उद्‌बोधन देते हुए सभी वरिष्ठ श्राविकाओं को संस्कारों की निर्मात्री बताया एवं होली पर मुस्कराकर, मन से प्रेम व सद्‌भाव का रंग लगाने की सलाह दी। प्रांतीय महिला महामंत्री डॉ. शिल्पा जी नाहर जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी जी डांगी जैन ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी वरिष्ठ महिलाएँ समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिनसे सेवा, समर्पण एवं त्याग की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर श्रीमती कमला देवी जी हरकावत जैन, श्रीमती पूर्णिमा जी भूतालिया जैन, श्रीमती कमल जी रांका जैन, श्रीमती सुशीला जी डांगी जैन, श्रीमती प्रेमबाई जी, श्रीमती सुशीला जी मेहता जैन, श्रीमती प्रेमबाई जी गोखरू जैन, श्रीमती कंचन देवी जी चंडालिया जैन, श्रीमती पिस्ताबाई जी सिसोदिया जैन, श्रीमती बसंतलता जी खमेसरा जैन, श्रीमती भागवती जी कोठारी जैन, श्रीमती सुशीला जी मेहता जैन, श्रीमती शांताबाई जी बोहरा जैन आदि 20 माताओं को श्राविका रत्न सम्मान से सम्मानित किया एवं तिलक होली का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रांतीय महिला अध्यक्षा डॉ. पुष्पा जी खोखावत जैन, डॉ. शिल्पा जी नाहर जैन, श्रीमती रेखा जी चोरड़िया जैन, श्रीमती नैना जी सिसोदिया जैन, श्रीमती रेखा जी जैन, श्रीमती मीनू जी छाजेड़ जैन, श्रीमती मंजु जी मेहता जैन, श्रीमती पुष्पा जी सुराणा जैन, श्रीमती पुष्पा जी मोदी जैन, श्रीमती कुसुम जी डांगी जैन, श्रीमती किरण जी खोखावत जैन, श्रीमती अनिता जी भंडारी जैन, श्रीमती रेखा जी नवलखा जैन आदि उपस्थित थी। राजस्थान प्रांतीय महिला शाखा की सभी सदस्यओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। श्रीमती मेनू जी छाजेड़ जैन, श्रीमती अरुणा जी सिंयाल जैन, श्रीमती अनीता जी सिंघवी जैन, श्रीमती ललिता जी बाफना जैन, श्रीमती भारती जी करनपुरिया सहित अनेक सदस्याएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सुंदर संचालन श्रीमती नयना जी सिसोदिया जैन एवं डॉ. शिल्पा जी नाहर जैन ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ होली के गीतों एवं आनंदमय वातावरण में कार्यक्रम का समापन हुआ।

जैन कॉन्फ्रेंस गुजरात द्वारा जीजीआई कैंटोनमेंट स्कूल में नवीनीकृत विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

अहमदाबाद (गुजरात) : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस की गुजरात प्रांतीय शाखा, महिला शाखा व युवा शाखा के तत्वावधान में एयरपोर्ट रोड़ पर श्रीमती जीजीआई कैंटोनमेंट स्कूल में मंगलवार को नवीनीकृत विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। जैन कॉन्फ्रेंस की गुजरात प्रांतीय शाखा के अध्यक्ष श्री सम्पतलालजी खाब्या जैन, प्रांतीय चेयरमैन श्री लक्ष्मीलालजी नाहर जैन, युवा शाखा के अध्यक्ष श्री कमलेशजी मदरेचा जैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में खाव्या, नाहर मदरेचा परिवार की ओर से सेवाकार्य के तहत विज्ञान प्रयोगशाला स्टेम (विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, गणित) लैब का संयुक्त रूप से नवीनीकरण करवाया गया।

अतिथि जीतो अहमदाबाद के अध्यक्ष श्री राजीवजी छाजेड़ जैन, विशेष अतिथि भाजपा की युवा नेता श्वेता ब्रह्मभट्ट स्कूल के पूर्व छात्र रेशमभाई अस्पताल के निदेशक डॉ. हँसमुख अग्रवाल जी थे। इस अवसर पर पर स्कूल के छात्र समीर पड्या व छात्रा प्रिंसा ने प्रयोगशाला में किये कार्य की जानकारी दी।

इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस की गुजरात प्रांतीय शाखा के ज्ञान प्रकाश योजना अध्यक्ष श्री समरथलाल जी खाब्या जैन, श्री हीरालालजी छाजेड़ जैन, श्री शांतिलालजी नाहर जैन, श्री केसरीमलजी मादरेचा जैन, श्री भैरूलालजी खाब्या जैन, डॉ. रूपकुमार अग्रवाल जी, श्री लोकेशजी मादरेचा जैन ने आयोजन में सहयोग दिया।

स्मृति शेष श्रद्धांजलि

पूज्य श्री सुशीलाकुंवर जी म.सा. त्याग प्रत्याख्यान सहित देवलोकगमन

जलगांव (महाराष्ट्र) : धर्मदास सम्प्रदाय गौरव, तपस्वीराज पूज्य गुरुदेव श्री कानमुनिजी म.सा. की सुशिष्या एवं पूज्य श्री गुलाबमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी वर्धमान आयम्बिल तप आराधिका, स्थविरा, दीर्घ संयमी, महासती पूज्या श्री सुशीलाकुंवरजी म.सा. का त्याग प्रत्याख्यान सहित सोमवार, 2 मार्च 2026, शाम 5:30 बजे धर्मनगरी जलगांव मे कालधर्म हो गया। जैन कॉन्फ्रेंस का समस्त राष्ट्रव्यापी संवेदना व्यक्त करता है।

प्रशांत विहार, दिल्ली : सुश्राविका श्रीमती पुष्पा जी जैन धर्मपत्नी श्री परमानंद जी जैन का स्वर्गवास हो गया। उनकी रस्म उठावनी वीरवार 12 फरवरी को प्रशांत विहार के जैन स्थानक में सम्पन्न हुई।

मॉडल टाउन, दिल्ली : सुश्राविका श्रीमती बिमला देवी जी जैन, धर्मपत्नी स्व. श्री मदनलाल जी जैन (पूर्व अध्यक्ष दिल्ली जैन महासभा) मॉडल टाउन निवासी का 90 वर्ष की आयु में सम्पूर्ण त्याग, पच्चकखान के साथ सागारी संथारा सहित स्वर्गवास हो गया।

उत्तराध्यन सूत्र रचनानुवाद खुली प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन

अहमदाबाद (गुजरात) : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की गुजरात प्रांतीय ज्ञान प्रकाश योजना द्वारा श्री उत्तराध्ययन सूत्र रचनानुवाद युक्त खुली प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन 20 अप्रैल 2026 से किया जाएगा, प्रश्न पत्र हल करके दिनांक 2 जून 2026 तक प्रश्न पत्र के मुख्य पृष्ठ पर जैन समरथलाल खाब्या 32, पल्लवित सोसायटी, ओसवाल भवन के पास, शाहीबाग, अहमदाबाद - 380 004 (गुजरात) संपर्क सूत्र : 94260 35203 पर भेजना अनिवार्य है।

नाशिक एवं कुप्पकला में आत्म ध्यान धर्म यज्ञ

आत्म ध्यान धर्म यज्ञ में 62 साधकों ने लिया आत्मानुभव

नाशिक (महाराष्ट्र) : नाशिक केन्द्र पर 34 साधक व साधु-साध्वीवृंद सहित कुल 41 आत्मार्थी साधक सहभागी बने, जिसमें साध्वी पू. श्री विराग साधना जी म.सा., साध्वी पू. श्री स्वयंसाधना जी म.सा., साध्वी पू. श्री लक्षितसाधना जी म.सा., साध्वी पू. श्री नमिता जी म.सा., साध्वी पू. श्री सजगता जी म.सा., पू. श्री साध्वी संबोधि जी म.सा., साध्वी पू. श्री हीप्रीति जी म.सा. ने भी आत्म-ध्यान-साधना का लाभ लिया। साधिका सुनीता जैन का प्रशिक्षक के रूप में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कुप्पकला पंजाब में चार दिवसीय आत्म-ध्यान धर्म यज्ञ में 16 साधक एवं 5 साधु-साध्वीवृंद सहित कुल 21 आत्मार्थी साधक सहभागी बने। पू. श्री जितेन्द्र मुनि जी म.सा., पू. श्री आत्मज्ञाता जी म.सा., पू. श्री आत्मद्रष्टा जी म.सा., साध्वी पू. श्री समीक्षा जी म.सा., साध्वी पू. श्री रक्षिता जी म.सा. ने भी आत्म-ध्यान-साधना का लाभ लिया। साधिका राजुल जैन का प्रशिक्षक के रूप में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। नाशिक एवं कुप्पकला ध्यान केन्द्रों पर कुल 62 साधक सहभागी रहे।

55 बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी सम्पन्न

इन्दौर (मध्य प्रदेश) : स्वर्णिम फाउंडेशन, वर्मा यूनियन हॉस्पिटल, फेसेस ऑफ टुमारों अमेरिका एवं जैन कॉन्फ्रेंस के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क प्लास्टिक सर्जरी कैंप लगाया गया। कैंप का शुभारंभ स्वामी अच्युतानंद महाराज, पीएफ कमिश्नर मनोरंजन सिंह और सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी, श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, श्री अश्विनी वर्मा जी, साक्षी जी अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन ने बताया कि कैंप में कटे होठ-तालू वाले 125 बच्चों की जांच की। 55 बच्चों का सर्जरी के लिए चयन किया गया। गुरुदेव स्वामी अच्युतानंद जी महाराज ने कहा कि सर्जरी के पश्चात् बच्चों के चेहरे की खूबसूरती और मुस्कान बढ़ जाएगी। मुख्य अतिथि श्री मनोरंजन सिंह जी ने इस कैंप की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए अमेरिका से आर्यी डॉक्टर्स की टीम के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। कैंप का संचालन रेखा जी जैन एवं पूजा जी जैन ने किया। आभार जैन कॉन्फ्रेंस की मानव सेवा योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रकाश जी भटेवरा जैन ने व्यक्त किया।

मालेरकोटला, पंजाब में बड़ी दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

मालेरकोटला (पंजाब) : शनिवार, दिनांक 7 मार्च 2026 को एस.एस. जैन सभा (रजि.) मोती बाजार के तत्वावधान तथा श्रमण संघीय सलाहकार पू. श्री दिनेशमुनि जी म.सा., पू. डॉ. श्री द्वीपेन्द्रमुनि जी म.सा. तथा पू. डॉ. श्री पुष्पेन्द्रमुनि जी म.सा. के मुखारविंद तथा उत्तर भारतीय प्रवर्तिनी महसाध्वी पू. श्री सुधा जी म.सा., शान-ए पंजाब महासाध्वी पू. श्री श्रेष्ठा जी म.सा., पंजाब सिंहनी महासाध्वी पू. श्री स्वाति जी म.सा., आदि ठाणा 18 के पुनीत सान्निध्य में 8 फरवरी को नव दीक्षिता साध्वी तित्थयरा श्री जी व साध्व जिणवराश्री बड़ी दीक्षा का पाठ ग्रहण किया। पू. श्री दिनेशमुनि जी म.सा. ने नव दीक्षिता साध्वी तित्थयराश्री को पंजाब सिंहनी साध्वी श्री स्वाति जी म. तथा नवदीक्षिता साध्वी जिणवराश्री को साध्वी श्री राधिका जी म.सा. की सुशिष्या घोषित किया।

ALDACO
AIM HIGH

Sudershan Jain
National Chairman – Jan Kalyan Yojana
Jain Conference, New Delhi

DEALS IN NON LEATHER FOOTWEAR
ALDACO FOOTWEAR
9310899901 | Aldacofootwear@gmail.com

साधना और संयम के मार्ग पर चलने से मानव जीवन सार्थक-सुकनमुनि जी म.सा.

जहाँ धर्म होता वहाँ कभी अमंगल नहीं हो सकता-अमृत मुनिजी

प्रवर्तक पू. श्री सुकनमुनिजी म.सा. के 64वें दीक्षा दिवस समारोह में चतुर्विद संघ का समागम

भीलवाड़ा (राजस्थान) : श्रमण सूर्य मरुधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. के सुशिष्य श्रमण संघीय वरिष्ठ प्रवर्तक पू. श्री सुकनमुनिजी म.सा. का 64वाँ दीक्षा दिवस दो-दो सामायिक की आराधना के साथ श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सुभाषनगर के तत्वावधान में मनाया गया। सुभाषनगर स्थानक में आयोजित कार्यक्रम में उपप्रवर्तिनी साध्वी पू. श्री मंजूलज्योति जी म.सा. आदि ठाणा का सान्निध्य भी प्राप्त होने से चतुर्विद संघ का समागम हो गया। समारोह में मुनिवृन्द, साध्वीगण एवं श्रावक श्राविकाओं ने पू. श्री सुकनमुनिजी म.सा. के संयम जीवन की अनुमोदना करते हुए उनके दीर्घायु होकर जिनशासन की सेवा करते रहने की मंगलभावनाएं व्यक्त की।

धर्मसभा में वरिष्ठ प्रवर्तक पू. श्री सुकनमुनिजी म.सा. ने कहा कि जीवात्मा के लिए मानव भव प्राप्त होना दुर्लभ होता है। धर्म की साधना ओर संयम के मार्ग पर चलकर ही इसे सार्थक किया जा सकता है। जीवन में त्याग ओर मर्यादाओं की पालना निरन्तर करते रहना चाहिए। उन्होंने भीलवाड़ा वासियों की भक्ति व सेवा भावना की सराहना करते हुए उनके प्रति मंगल भावनाएं व्यक्त की। तपस्वीरत्न उप-प्रवर्तक पू. श्री अमृतमुनिजी म.सा. ने कहा कि धर्म उत्कृष्ट मंगल होता है। जहाँ धर्म होता है वहाँ कभी अमंगल हो ही नहीं सकता। जिनके जीवन में धर्म का स्थान नहीं होता वहाँ अमंगल प्रारंभ हो जाता है। जीवन में त्याग एवं मर्यादाएं होना आवश्यक है। इनके बिना हमारे कर्म निर्जरा नहीं हो सकती। उन्होंने पूज्य सुकनमुनिजी म.सा. के प्रति मंगल भाव व्यक्त करते हुए कहा कि वह मरूधर केसरी पू. श्री मिश्रीमलजी म.सा. एवं लोकमान्य संत शेरे राजस्थान पू. श्री रूपचंदजी म.सा. की सेवा व भक्ति की परम्परा को निरन्तर आगे बढ़ा रहे है। जिनशासन की सेवा का अवसर भाग्य से ही प्राप्त होता है। पू. डॉ. वरूणमुनि म.सा. ने जीवन में गुरु का महत्व समझाते हुए कहा कि गुरु के बिना गोविन्द यानि परमात्मा की प्राप्ति नहीं हो सकती। जिनके जीवन में सद्गुरु की प्राप्ति हो जाती है उनका जीवन संवर जाता है। जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रांतीय शाखा के प्रान्तीय अध्यक्ष श्री आनंद जी चपलोत जैन ने भी पूज्य श्री सुकनमुनिजी म.सा. के दीक्षा दिवस पर अनुमोदना करते हुए मंगलभावनाएं व्यक्त की। सुभाषनगर महिला मण्डल की सदस्यों ने गीतिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जी चीपड़ जैन, अहिंसा भवन श्रीसंघ शास्त्रीनगर के अध्यक्ष श्री अजय जी सांड जैन, अरिहन्त विकास समिति चन्द्रशेखर आजादनगर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जी सुकलेचा जैन, बापूनगर श्रीसंघ के मंत्री श्री अनिल जी विश्लोत जैन, वरिष्ठ सुश्रावक श्री कंवरलाल जी सूरिया जैन, श्री सुशील जी चपलोत जैन, श्री दिनेश जी बम्ब जैन आदि भी मौजूद थे।

प्रेषक : निलेश कांठेड़

सिविल सर्विस परीक्षा 2025 में 26 जैन बच्चे हुए परीक्षा में उत्तीर्ण

नई दिल्ली : प्रत्येक वर्ष चयनित होने वाले एक हजार बच्चों में से 26 जैन बच्चे सिविल सर्विस परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण हुए है, जोकि हमारे जैन समाज के लिए सम्मान की बात है। जो बच्चें अपनी-अपनी रैंक के अनुसार इस परीक्षा उत्तीर्ण हुए है, उनके नामों की सूची एवं क्रम इस प्रकार से है :-

1. आस्था जैन **9**वीं रैंक, **2.** चितवन जैन **17**वीं रैंक, **3.** साक्षी जैन **37**वीं रैंक, **4.** अनिमेष जैन **63**वीं रैंक, **5.** पीयूष जैन **80**वीं रैंक, **6.** यशवी जैन **97**वीं रैंक, **7.** निश्चल जैन **119**वीं रैंक, **8.** संदेश जैन **161**वीं रैंक, **9.** ऋषभ जैन **163**वीं रैंक, **10.** अभिजीत जैन **170**वीं रैंक, **11.** कृपा जैन **190**वीं रैंक, **12.** पुलकित जैन **242**वीं रैंक, **13.** सुकांत जैन **244**वीं रैंक, **14.** अनुषा जैन **251**वीं रैंक, **15.** ईशा जैन **272**वीं रैंक, **16.** रिया जैन **318**वीं रैंक, **17.** भूमिका जैन **331**वीं रैंक, **18.** सौम्या जैन **346**वीं रैंक, **19.** हर्ष जैन **363**वीं रैंक, **20.** हर्ष जैन **412**वीं रैंक, **21.** हिमांशु जैन **482**वीं रैंक, **22.** प्रियम जैन **551**वीं रैंक, **23.** मानव जैन **620**वीं रैंक, **24.** प्राची जैन **714**वीं रैंक, **25.** रोहन जैन **758**वीं रैंक, **26.** उज्जवल जैन **797**वीं रैंक प्राप्त हुई है।

आप सभी होनहार छात्र-छात्राओं को श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की ओर से आपके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक-हार्दिक शुभमंगल कामनाएं एवं ढ़ेर सारी बधाईयाँ।

जैन कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय सभाएँ उत्साहपूर्वक सम्पन्न, संगठनात्मक गतिविधियों पर हुआ व्यापक मंथन

नई दिल्ली : श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की राष्ट्रीय प्रबन्ध समिति (कार्यकाल 2025-27) की महत्वपूर्ण बैठकें शुक्रवार, दिनांक 27 फरवरी 2026 को जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्केट, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जैन की अध्यक्षता में अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुईं।

बैठकों का शुभारम्भ प्रातः 10:00 बजे राष्ट्रीय प्रबन्ध समिति की सभा से हुआ, जिसके पश्चात दोपहर 1:30 बजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक तथा दोपहर 4:00 बजे साधारण सभा आयोजित की गई। देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय उपस्थिति से सभाओं में विशेष उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का प्रारम्भ मंगलाचरण से हुआ तथा तत्पश्चात दिवंगत साधु-साध्वीवृंद एवं श्रावक - श्राविकाओं को श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद गत् सभा की कार्यवाही की पुष्टि की गई तथा सभा की तिथि से सात दिन पूर्व तक प्राप्त आजीवन सदस्यता आवेदन पत्रों पर विचार-विमर्श कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में वर्ष 2026-27 के अनुमानित आय-व्यय पत्रक (बजट) को प्रस्तुत किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त उसे स्वीकृति प्रदान करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में प्रस्तुत करने हेतु संस्तुति की गई। साथ ही संविधान एवं नियम-उपनियम संशोधन समिति द्वारा तैयार किए गए संशोधित संविधान के प्रारूप को भी सभा के समक्ष रखा गया, जिस पर सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव और विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस की विभिन्न योजनाओं के राष्ट्रीय अध्यक्षों एवं राष्ट्रीय मंत्रियों ने अपने एक वर्षीय कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए भविष्य में किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी साझा की। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उत्साहपूर्वक अपने सुझाव दिए।

सभा के दौरान संस्था की विभिन्न सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए वैय्यावच्च योजना के माध्यम से पूज्य संत-साध्वीवृंद के सेवकों की वेतन व्यवस्था, व्हील चेयर, औषधि आदि आवश्यक सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान देने हेतु राष्ट्रीय मंत्री श्री रतनजी सिंघवी जैन का संस्था की ओर से अभिनंदन किया गया।

साथ ही संस्था के साप्ताहिक मुखपत्र "जैन प्रकाश" के नियमित प्रकाशन में विज्ञापन के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय चेयरमैन श्री विजय जी जैन, राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक श्री महावीरचंद जी रांका जैन तथा जन कल्याण योजना के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री सुदर्शन जी जैन का भी स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसी क्रम में ज्ञान प्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेश आनन्द प्रकाश जी जैन ने भी "जैन प्रकाश" के लिए एक वर्ष तक पूर्ण पृष्ठ का विज्ञापन देने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर संस्था के प्रति अपना सहयोग और सद्भाव प्रकट किया, जिसकी सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने सराहना की। सभा का सुंदर एवं व्यवस्थित संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अमितराय जी जैन द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी विषयों को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत कर बैठक को सफलतापूर्वक संचालित किया।

कार्यक्रम में पधारे सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिए नाश्ते एवं आहार की उत्कृष्ट व्यवस्था का लाभ मातुश्री ऊषा जी जैन परिवार, वसंतकुंज (दिल्ली) द्वारा प्राप्त किया गया, जिसके लिए सभा में उपस्थित सभी महानुभावों ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अतुल जी जैन ने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति सभी के सहयोग, समर्पण और सक्रिय सहभागिता में निहित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इसी उत्साह और एकता के साथ जैन कॉन्फ्रेंस समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित करती रहेगी। सभा का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण, संगठन के प्रति नव ऊर्जा और समाजहित के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ।

देश में विराजित पूज्य संत-साध्वीजी म. के पावन चरणों में
कोटि-कोटि वंदन एवं श्रद्धापूर्ण नमन

समाजरत्न दानवीर भामाशाह
लाला आनन्द प्रकाश जी जैन
महिलारत्न
स्व. श्रीमती कमलेश आनन्द प्रकाश जी जैन

NAMO eWaste

Namo e waste Management Ltd.
E waste & lithium in battery recycling
EPR facility
8130393628 admin@namoewaste.com

Vardhman Recycling LLP
Old vehicles recycling with certificate of disposal
Plastic recycling EPR facility
8130393611 vardhmanautorecycling@gmail.com

नरेश आनन्दप्रकाश जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष
ज्ञान प्रकाश योजना, जैन कॉन्फ्रेंस

रचना नरेश जैन
राष्ट्रीय प्रमुख मार्गदर्शक
जैन कॉन्फ्रेंस, राष्ट्रीय महिला शाखा

जैन कॉन्फ्रेंस मध्य प्रदेश शाखा का प्रांतीय सम्मेलन इन्दौर में आयोजित

सम्मेलन में युवाचार्य पू. श्री महेन्द्रऋषि जी म.सा. का सान्निध्य प्राप्त हुआ

इन्दौर (मध्य प्रदेश) : श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली की मध्य प्रदेश प्रांतीय शाखा एवं श्रमण संघीय परम पूज्य युवाचार्य श्री महेंद्रऋषि जी म.सा. के सान्निध्य में प्रांतीय सम्मेलन महावीर बाग-इंदौर में 1 मार्च 2026 को आयोजित किया गया। प्रांतीय सम्मेलन में अभिग्रहधारी पूज्य श्री राजेशमुनि जी म.सा., प्रवचनकार पू. श्री अभिषेकमुनि जी म.सा., पूज्य श्री विकसित मुनि जी म.सा., निमाड़ सौरभ पूज्य श्री रमणीक कुंवर जी म.सा. आदि ठाणा, उप-प्रवर्तिनी पूज्य श्री दिव्यज्योति जी म.सा. 'अर्पणा' आदि ठाणा 9, पूज्य श्री अरुणा जी म.सा. आदि ठाणा उपस्थित थे।

इस प्रांतीय सम्मेलन में जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. डॉ. अमिताय जी जैन-बड़ौत से, राष्ट्रीय चेयरमैन विश्वस्त मंडल श्री रमेश जी भंडारी जैन-इंदौर से, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती संतोष सुरेश जी जैन-दिल्ली से, राष्ट्रीय महिला महामंत्री श्रीमती रीचा जी जैन-लुधियाना से, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री विनय कुमार जी जैन-पानीपत से, राष्ट्रीय समन्वयसक जोंन-1 श्री सुरेश कुमार जी लुणावत जैन-चेन्नई से आदि मुख्य रूप से उपस्थित हुए। प्रांतीय सम्मेलन दो चरण में पूरा हुआ। पहले चरण में म.सा. का प्रवचन व प्रांतीय अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों का उद्बोधन हुआ। अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. डॉ. अमिताय जी जैन ने 120 वर्ष पुरानी मातृ संस्था के बारें में विस्तार से बताया। वाकई श्रमण संघ के इतिहास के बारें में बहुत ही सुंदर विवेचना उनके द्वारा प्रस्तुत की गई।

विश्वस्त मंडल के चेयरमैन श्री रमेश जी भंडारी जैन ने अपने उद्बोधन में बताया कि मध्य प्रदेश प्रांत द्वारा यह जो कार्यक्रम किया गया है अपने आप में प्रेरणादायक रहेगा। मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों ने जिस उत्साह और उमंग से इस प्रांतीय अधिवेशन में भाग लिया है यह स्थानकवासी जैन समाज के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा।

दूसरे सत्र में श्रमण संघ को कैसे और ऊँचाइयों पर ले जाया जाए, जिस पर बहुत सारे महानुभावों ने अपनी बात लिखकर युवाचार्य पू. श्री महेंद्रऋषि जी म.सा. को अपनी समस्या बताई। उनकी समस्याओं का समाधान युवाचार्यश्री जी म.सा ने किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ वर्तमान परिस्थिति व आने वाली परिस्थिति के बारें में बहुत सारी बातों पर विचार-विमर्श हुआ। इसमें मुख्य रूप से मध्य प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्री हुलाशजी बेताला जैन, प्रांतीय महामंत्री श्री पीयूष जी जैन, भूतपूर्व अध्यक्ष श्री ललितजी छल्लाणी जैन, मुख्य संयोजक व राष्ट्रीय अध्यक्ष मानव सेवा श्री प्रकाश जी भटेवरा जैन, राष्ट्रीय मंत्री श्री जिनेश्वर जी जैन, सह-महामंत्री श्री कांतिलाल मेहता जैन, श्री हेमंत जी बोरा जैन, श्री शिखर जी बाफना जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजेश जी झामड़ जैन, प्रांतीय महिला अध्यक्षा श्रीमती सुनीता जी छजलानी जैन, प्रांतीय युवा अध्यक्ष श्री सुविधि जी झावेरी जैन, श्री अमित जी मोदी जैन, श्री अरुण जी जैन, श्री सुभाष जी विनायक्या जैन व इंदौर एवं आस-पास से करीब 800 से ज्यादा महानुभाव इस कार्यक्रम में उपस्तिथ हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महामंत्री श्री पीयूष जी जैन ने किया एवं अंत में आभार श्री कांतिलाल मेहता जैन ने व्यक्त किया। प्रेषक : पीयूष जैन

प्रवर्तक पू. श्री सुकनमुनि जी म.सा. का दीक्षा दिवस समारोह

भीलवाड़ा (राजस्थान) : मरुधरा भूषण, श्रमण संघीय प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री सुकनमुनि जी म.सा., तपस्वीरत्न एवं ज्योतिष सम्राट उपप्रवर्तक पू. श्री अमृतमुनि जी म.सा., युवा प्रणेता पू. श्री महेशमुनि जी म.सा., बालयोगी पू. श्री अखिलेशमुनि जी म.सा., पू. डॉ. श्री वरुणमुनि जी म.सा. (डी.लिट्.), मेवाड़ गौरव पू. श्री रविन्द्रमुनि जी म.सा., पू. श्री ध्यान दर्पणमुनि जी म.सा., नवकार आराधक पू. श्री वीतरागमुनि जी म.सा., महासती पू. श्री ज्ञानकंवर जी म.सा., महासाध्वी पू. श्री प्रतिभा जी म.सा., पू. श्री पुष्पलता जी म.सा., उपप्रवर्तिनी पू. श्री मंजूलज्योति जी म.सा., युवा प्रेरिका पू. श्री वसुधा जी म.सा., साध्वी पू. श्री वन्दिता जी म.सा., पू. श्री विजेता जी म.सा., पू. डॉ. श्री वारिधी जी म.सा. तथा समस्त साधु-साध्वी मंडल के पावन सान्निध्य में होली चातुर्मास एवं प्रवर्तक पू. श्री सुकनमुनि जी म.सा. का दीक्षा दिवस सोमवार 2 मार्च 2026 को शांति भवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। इस पावन सुअवसर पर श्री शांति भवन के कार्यकारिणी एवं आमंत्रित सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

जैन गौरव

महाराज चेटक

विशाल एवं शक्तिशाली गणतन्त्रात्मक वज्जिसंघ के अध्यक्ष तथा वैशाली महानगरी के अधिपति और भगवान महावीर के मातामह, महाराज चेटक अपने समय के सम्पूर्ण भारत वर्ष के सर्वप्रधान सत्ताधीशों में से थे। महाराज चेटक की महादेवी का नाम सुभद्रा था। दोनों ही परम श्रद्धालु जिनभक्त थे। मगध में राजगृह के निकट जिनायतन भी था। रणक्षेत्र में भी वह इष्टदेव की पूजा-अर्चना करना नहीं भूलते थे। अहिंसा धर्म अनुयायी होते हुये भी बड़े पराक्रमी और वीर योद्धा थे। कहा जाता है कि अनेक शत्रुओं को चेटी या दास बना लेने के कारण ही वह चेटक कहलाने लगे थे। जिस संघ के वह अधिनायक थे, उसमें अनेक गण सम्मिलित थे तथा संघ की व्यवस्था एवं प्रशासन के हेतु उसके राजा उपाधिधारी 7707 सदस्य थे। महाराज चेटक ने अपनी बुद्धि, साहस, वीरता सौजन्य एवं राजनीति पटुत्व के बल पर उन सबके बीच वैशाली गण संघ को धन, वैभव, शक्ति, संगठन अनेक दृष्टियों से नरेशों की ईर्ष्या का पात्र बना दिया था।

राजर्षि उदायन

भगवान महावीर के परम भक्त उपासक नरेशों में सिन्धु-सौवीर देश के शक्तिशाली एवं लोकप्रिय महाराजाधिराज उदायन का उच्च स्थान था। उनके राज्य में सोलह बड़े-बड़े जनपद थे 363 नगर तथा उतनी ही खनिज पदार्थों की बड़ी-बड़ी खदानें थी। दस छत्र मुकुटधारी नरेश और अनेक छोटे भूपत्ति, सामन्त, सरदार, सेठ-साहूकार उनकी सेवा में रत रहते थे। महाराज उदायन के उदार एवं न्याय-नीति पूर्ण सुशासन में प्रजा सर्व प्रकार के भय से मुक्त हो सुख और शान्ति का उपभोग करती थी। इतने प्रतापी और महान् नरेश होते हुये भी महाराज उदायन अत्यन्त निरभिमानी, विनयशील, साधु सेवी और धर्मानुरागी थे। भगवान महावीर की देहाकार सुवर्णमयी प्रतिमा प्रतिष्ठित की थी। भगवान महावीर के साक्षात् सम्पर्क से यह राजदम्पत्ती इतने प्रभावित हुये कि उन्होंने श्रावक के बारह व्रत धारण किये। धर्म ध्यान तथा साधुओं की सेवा वैयावृत्य आदि में उन्हें विशेष आनन्द था। राजा-रानी और पुत्र अभीचकुमार ने मुनि दीक्षा ली।

युवा प्रतिनिधि ने अंतर्राष्ट्रीय ए.आई. समिट में सहभागिता कर दुर्ग जैन समाज का नाम किया गौरवान्वित

दुर्ग (छत्तीसगढ़) : दुर्ग की प्रतिभाशाली युवा प्रतिनिधि कृति संचेती जैन ने अंतर्राष्ट्रीय एआई (Artificial Intelligence) समिट में सहभागिता कर शहर एवं प्रदेश का 16 फरवरी से 20 फरवरी तक भारत मंडपम दिल्ली में आयोजित समिट में दुर्ग छत्तीसगढ़ का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मंच पर विश्वभर के 7 देशों के राष्ट्रपति के साथ-साथ आए विशेषज्ञों, तकनीकी विद्वानों एवं नवाचारकर्ताओं के बीच कृति संचेती की उपस्थिति विशेष रूप से सराहनीय रही।

समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों जैसे मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, साइबर सुरक्षा तथा भविष्य की तकनीकी संभावनाओं पर गहन चर्चा एवं विचार-विमर्श हुआ। कृति संचेती जैन ने न केवल इन विषयों पर अपने विचार साझा किए, बल्कि वैश्विक स्तर पर हो रहे नवाचारों एवं शोध की जानकारी भी प्राप्त की। प्रेषक : नवीन संचेती जैन

उदयपुर में बड़ी दीक्षा कार्यक्रम सम्पन्न

उदयपुर (राजस्थान) : दिनांक 5 मार्च 2026 को श्री वर्धमान स्थानकवासी श्रमण संघ सेक्टर 4 में आगम प्रज्ञा जी म.सा. की बड़ी दीक्षा का आयोजन प्रवर्तक पू. श्री विजयमुनि जी म.सा., उपाध्याय, महाश्रमण पू. श्री जिनेन्द्रमुनि जी म.सा., आगम ज्ञाता पू. श्री गौतममुनि जी म.सा., उप-प्रवर्तक पू. श्री चन्द्रेशमुनि जी म.सा., तपस्वी पू. श्री वैभवमुनि जी म.सा., दक्षिण चन्द्रिका डॉ. संयमलताजी म.सा., साध्वी पू. श्री अमितप्रभा जी म.सा., साध्वी पू. श्री कमलप्रभा जी म.सा., साध्वी पू. श्री सौरभप्रज्ञा जी म.सा. के पावन सान्निध्य में मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुआ।

दीक्षा प्रदाता पू. श्री गौतममुनि जी म.सा. के मुखारविंद से विधिवत दीक्षा का बड़ा पाठ सुनाया गया। बड़ी दीक्षा के संपूर्ण लाभार्थी श्री अशोक कुमार जी चौहान, श्री नरेन्द्र जी चण्डालिया, श्री गणपत जी, श्री ललित कुमार जी लोढ़ा, श्री अरूण जी बया परिवारों द्वारा नवकारसी एवं कार्यक्रम पश्चात् सभी गुरु भगवंतो की आहार आदि की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर देशभर के कई शहरों से श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। अंत में महाश्रमण पू. श्री जिनेन्द्रमुनि जी म.सा. ने मंगलपाठ देकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। प्रेषक : हीरालाल नावेड़िया

J. P. Jain Foundation

(स्व. श्री जय प्रकाश जैन की पुण्य स्मृति में स्थापित)

सेवा, करुणा और अहिंसा के मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुँचाने के उद्देश्य से निम्न जनकल्याणकारी सेवा-कार्यों का सतत् संचालन

- जैन हेल्थकेयर सेंटर के माध्यम से निःस्वार्थ एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाएं।
- भिवानी में फूड वैन द्वारा जरूरतमंदों को नियमित भोजन वितरण।
- दर्द निवारक - महाउपयोगी नाकोडा भैरव लाल तेल का देश भर में निःशुल्क वितरण।
- निर्धन विधवाओं एवं असहाय वर्गों को राशन सहायता।
- जीव-दया के संरक्षण एवं करुणा आधारित सेवा अभियान।
- साधर्मी बंधुओं को हर प्रकार की सहायता।

MATUSHRI BHAWAN, 537/5, Doodh Wali Gali, Mehrauli, New Delhi-110030 9650485980 Email.: foundationjpjain@gmail.com

श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (रजि.) के सम्पादक एवं प्रकाशक अमित जैन द्वारा पारस ऑफसेट प्रा.लि., 118-F, सेक्टर 56, फेज 5, कुंडली, सोनीपत - 131 028 द्वारा मुद्रित।
केन्द्रीय कार्यालय : जैन भवन, 12, शहीद भगतसिंह मार्ग, गोल मार्किट, नई दिल्ली - 110 001. सम्पर्क : 90197 31906 ※ अस्वीकरण : समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र नई दिल्ली होगा।